राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 34 | जौनपुर | मंगलवार, 16 सितम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

ठाणे में एमएसीटी ने दुर्घटना में मारे गए व्यक्ति के परिजनों को 62.19 लाख रुपये मुआवजे का आदेश दिया

मुबई , (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने वर्ष 2019 में एक टैंकर के कारण सड़क दुर्घटना में मारे गए कार सवार 39 वर्षीय व्यक्ति के परिवार को 62.19 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। एमएसीटी सदस्य आर वी मोहिते ने टैंकर मालिक और बीमाकर्ता कंपनी 'द न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी' को याचिका की तारीख से नौ प्रतिशत ब्याज के साथ संयुक्त रूप से और अलग–अलग मुआवजा देने का निर्देश दिया। यह आदेश 11 सितंबर को पारित हुआ था जिसकी प्रति रविवार को उपलब्ध कराई गई। मृतक व्यक्ति के परिवार ने शुरू में एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने का अनुरोध किया था। पीड़ित मोहन शिरोशे 10 सितंबर, 2019 को कल्याण–नगर राजमार्ग पर कार से जा रहे थे तभी दूध ले जा रहा एक टैंकर तेज गति के साथ के गलत दिशा में मुड़ा और उनके वाहन से टकरा गया। टक्कर के कारण कार घूम गई और एक अन्य वाहन से टकरा गई। टैंकर चालक घटनास्थल से भाग गया, जबकि शिरोशे को अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई। याचिकाकर्ताओं, जिनका प्रतिनिधित्व अधिवक्ता पी.एम. टिल्लू ने किया, ने तर्क दिया कि दुर्घटना टैंकर चालक की लापरवाही के कारण हुई। बीमाकर्ता, जिसका प्रतिनिधित्व अधिवक्ता के.वी. पुजारी ने किया, ने दावे का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि टैंकर चालक के पास वैध लाइसेंस और परमिट नहीं था, और मृतक की भी लापरवाही थी।

न्यायालय सात अक्टूबर को करेगा बिहार में एसआईआर की वैधता संबंधी याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह यह मानता है कि भारत का निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक प्राधिकार होने के नाते बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान कानून का पालन कर रहा है। न्यायालय ने आगाह किया कि किसी भी अवैधता की स्थिति में इस प्रक्रिया को रद्द कर दिया जाएगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार एसआईआर की वैधता पर अंतिम दलीलें सुनने के लिए सात अक्टूबर की तारीख तय की और इस कवायद पर "टुकड़ों में राय" देने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा, "बिहार एसआईआर में हमारा फैसला पूरे भारत में एसआईआर के लिए लागू होगा।" इसने स्पष्ट किया कि वह निर्वाचन आयोग को देश भर में मतदाता सूची में संशोधन के लिए इसी तरह की प्रक्रिया करने से नहीं रोक सकती। इस बीच, न्यायालय ने आठ सितंबर के शीर्ष अदालत के उस आदेश को वापस लेने का आग्रह करने वाली याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें निर्वाचन आयोग को बिहार एसआईआर में 12वें निर्धारित दस्तावेज के रूप में आधार कार्ड को शामिल ।

योगी आदित्यनाथ ने रायबरेली से पहुंचे मरीजों को तुरंत भर्ती कराने के दिए निर्देश

लखनऊ , (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन किया। इस दौरान प्रदेश भर से आये हर पीड़ित के पास पहुंचे, शिकायतें सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया। जनता दर्शन में 50 से अधिक लोग अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। रायबरेली से आये किडनी व हर्ट के मरीज को सीएम योगी आदित्यनाथ ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में रायबरेली के थाना खीरो के ग्राम बरवलिया के एक युवक भी पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उनके पिता किडनी–हृदय व यूरिन की बीमारी से पीड़ित हैं। प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराने में अब आर्थिक दिक्कत आ रही है। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने इलाज के लिए अस्पताल से एस्टीमेट भी मंगवाने को कहा। जनता दर्शन में इलाज के लिए आर्थिक सहायता के लिए कई फरियादियों ने प्रार्थना पत्र दिया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी से कहा कि सरकार हर जरूरतमंद मरीज को इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। आप भी अस्पताल से एस्टिमेट बनवाकर भिजवाएं। आपके इलाज के खर्च की चिंता सरकार करेगी। सरकार विगत 8 वर्ष से हर जरूरतमंद को निरंतर आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। जनता दर्शन में कई फरियादियों के साथ बच्चे भी आए, जिन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुलार भी किया।

पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर दिव्यांगों और बुजुर्गों को 64.66 करोड़ का खास गिफ्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर 17 सितंबर से शुरू हो रहे सेवा पखवाड़े में दिल्ली सरकार दिव्यांगों और बुजुर्गों को भी खास तोहफा देगी। कॉलेज जाने वाली दृष्टिबाधित छात्राओं को अटल दृष्टि छात्रावास, बौद्धिक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों को अटल आशा गृह और बुजुर्गों को सावित्रीबाई फुले वरिष्ठ नागरिक गृह मिलेंगे। कुल 64.66 करोड़ रुपये की लागत से बने ये केंद्र विशेष वर्ग के लोगों को आत्मनिर्भर और सम्मान से जीने के अवसर देंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह त्यागराज स्टेडियम से इनका शुभारंभ उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री ने रविवार को बताया कि उनकी सरकार असहाय वर्ग के लोगों के जीवन को सुविधाजनक बनाने के लिए काम कर रही है। किसी भी वर्ग को सुविधाएं देने से सरकारी पीछे

नहीं हटेगी। तिमारपुर में डीयू के पास 13.42 करोड़ रुपये की लागत से दृष्टिबाधित छात्राओं के लिए चार मंजिला छात्रावास बनाया गया है। करीब 3703.43 वर्गमीटर में बने इस भवन में 96 छात्राओं के रहने की जगह है। इसे छात्राओं की सुविधा के लिहाज से डिजाइन किया गया है, उसी के अनुरूप सहायक सुविधाएं लगाई गई हैं। पश्चिम विहार में 10.64 करोड़ रुपये से 2257 वर्गमीटर में चार मंजिला सावित्रीबाई फुले वरिष्ठ नागरिक गृह बनाया गया है। इसमें 96 बुजुर्गों के लिए रहने का इंतजाम है। इस केंद्र में चिकित्सा, पौष्टिक भोजन और मनोरंजन की सुविधाएं भी मिलेंगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि विशेष वर्ग के लोगों के लिए ये केंद्र अटल बिहारी वाजपेयी और सावित्रीबाई फुले की स्मृति में बनाए गए हैं।

पूरे देश से खत्म होगा नक्सलवाद : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। झारखंड के हजारीबाग जिले में सोमवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में एक करोड़ रुपये के इनामी शीर्ष माओवादी नेता और दो अन्य वरिष्ठ माओवादियों को मार गिराया गया। मारे गए कमांडर की पहचान भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की केंद्रीय समिति के सदस्य सहदेव सोरेन के रूप में हुई है। वह पूर्वी भारत के सबसे वांछित माओवादी नेताओं में से एक था। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने

इस कार्रवाई को एंटी नक्सल ऑपरेशन में बड़ी सफलता करार दिया। अमित शाह ने ट्वीट किया कि उत्तरी झारखंड के बोकारो क्षेत्र से नक्सलवाद का पूरी तरह से सफाया कर दिया गया है। जल्द ही पूरा देश नक्सलवाद की समस्या से मुक्त हो जाएगा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज झारखंड के हजारीबाग में सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन और राज्य पुलिस की संयुक्त टीम को नक्सल विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता मिली है। इस अभियान में एक करोड़ रुपये के इनामी नक्सली कमांडर, सीसीएम सहदेव सोरेन उर्फ परवेश को ढेर कर दिया गया है। इसके अलावा, दो अन्य इनामी नक्सली – रघुनाथ हेम्ब्रम उर्फ चंचल और बीरसेन गंझू उर्फ रामखेलावन – भी सुरक्षा बलों द्वारा मार गिराए गए हैं। इस अभियान के बाद, उत्तरी झारखंड के बोकारो क्षेत्र से नक्सलवाद का पूरी तरह से सफाया कर दिया गया है। जल्द ही पूरा देश नक्सलवाद की समस्या से मुक्त हो जाएगा। झारखंड पुलिस के अनुसार, विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर कोबरा बटालियन, गिरिडीह पुलिस और हजारीबाग पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। गिरिडीह–बोकारो सीमा के पास टाटीझरिया थाना क्षेत्र के करंडी गाँव में सुबह लगभग 6 बजे गोलीबारी शुरू हुई।

केंद्र सरकार पंजाब के साथ दुश्मनी निकाल रही है - भगवंत मान

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार दोपहर में चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कयास लगाए जा रहे थे कि सीएम मीडिया के सामने बाढ़ प्रभावितों के लिए बड़ा एलान कर सकते हैं। प्रेसवार्ता के दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार को घेरा है। एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई में खेले गए मुकाबले को लेकर बवाल थम नहीं रहा है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने एक बार फिर से इस मैच को लेकर केंद्र सरकार को घेरा है। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि केंद्र सरकार पंजाब के साथ दुश्मनी निकाल रही है। क्योंकि केंद्र सरकार की तरफ से करतारपुर और ननकाना जाने के लिए श्रद्धालुओं को इजाजत नहीं दे रही है। करतारपुर साहिब और ननकाना साहिब दोनों की धार्मिक स्थल पंजाबियों की आस्था का केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट या कारोबार का साधन नहीं। सियासत और क्रिकेट इंतजार कर सकते हैं पर भक्ति नहीं। मैच से आने वाला पैसा आतंक और नशे की फंडिंग में जाएगा। मुख्यमंत्री मान का आरोप लगाया कि अफगानिस्तान को पैसे भेजे पर पंजाब की अनदेखी की गई है। मान ने पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ और केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू से भी जवाब मांगा और कहा कि क्या वो प्रधानमंत्री से इस पर सवाल पूछेंगे। प्रधानमंत्री से अनुरोध है कि तुरंत हस्तक्षेप कर श्रद्धालुओं को पवित्र स्थलों पर दर्शन की अनुमति दें। पंजाब में बाढ़ ने भारी

तबाही मचाई है, जिससे 56 लोगों की मौत हुई है। सरकार 50 प्रभावित परिवारों को अब तक 2 करोड़ रुपये का मुआवजा जारी कर चुकी है। बाकी 6 परिवारों को भी जल्दी ही मुआवजा दिया जाएगा। राजस्व मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने बताया कि बाढ़ से 1.98 लाख हेक्टेयर फसल खराब हो चुकी है। पानी नीचे जाने पर नुकसान का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। लोगों के घरों का भी नुकसान हुआ है जिस कारण अभी भी 82 राहत शिविर चल रहे हैं। इनमें 3699 लोग रह रहे हैं। बाढ़ प्रभावित एरिया से अब तक 23,340 लोगों को रेस्क्यू किया गया है और चार लोग अभी भी लापता हैं। बाढ़ से 2472 गांव और 3.89 लाख लोग प्रभावित हैं। गिरदावरी का काम शुरू हो गया है और यह जल्दी से जल्दी पूरा हो जाएगा।

हर कांग्रेस कार्यकर्ता साथ खड़ा है : राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। कांग्रेस ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि गांधी ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों में प्रभावित परिवारों से बातचीत की और राहत कार्यों का जायजा लिया। अपने दौरे के दौरान, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने गुरदासपुर में भीषण बाढ़ से प्रभावित किसानों से भी मुलाकात की। पार्टी ने एक्स पर पोस्ट किया कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों में प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और राहत कार्यों का जायजा लिया। पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ ने हजारों लोगों का जीवन बर्बाद कर दिया है। राज्य को जान–माल का

भारी नुकसान हुआ है और लोग राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। कांग्रेस ने लिखा कि स्थिति बेहद विकट है। ऐसे कठिन समय में, हर कांग्रेस कार्यकर्ता पंजाब के साथ खड़ा है। हम सभी से बाढ़ प्रभावित परिवारों की हर संभव मदद करने की अपील करते हैं। इस आपदा से उबरने के लिए हमें एकजुट होना होगा। अपने दौरे के दौरान, कांग्रेस नेता परगट सिंह ने जोर देकर कहा कि राहुल गांधी पंजाब के दर्द को अच्छी तरह समझते हैं। सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि राहुल जी पंजाब के दर्द को अच्छी तरह समझते हैं। वह अजनाला में प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे, जहाँ वह एक गुरुद्वारे में मत्था टेकेंगे और फिर प्रभावित किसानों, मजदूरों और स्थानीय लोगों से बातचीत करेंगे। पंजाब में आई बाढ़ के बारे में बात करते हुए, सिंह ने यह भी सवाल उठाया कि 1200 करोड़ रुपये का एसडीआरएफ फंड कहाँ खर्च किया गया। सिंह ने आगे कहा कि राज्य के लिए निर्धारित 1200 करोड़ रुपये के एसडीआरएफ फंड और उसके खर्च के बारे में कोई बात नहीं कर रहा है... हमें उन लोगों की मदद पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जिन्होंने अपनी संपत्ति और सामान खो दिया है। इस बीच, राहुल गांधी की प्रशंसा करते हुए, पूर्व विधायक नवजोत कौर सिद्धू ने कहा कि राहुल गांधी का दौरा पंजाब पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है। सिद्धू ने संवाददाताओं से कहा कि यह एक बहुत बड़ी प्रेरणा है... वह हमारे लिए सबसे बड़े नेता हैं,।

पाकिस्तान को फायदा पहुंचाने के लिए खेला गया मैच – संजय राउत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता और राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत–पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ खेलना ही एक अपराध और देशद्रोह है। उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया है, लेकिन उन 25 महिलाओं की मांग का क्या जो मिटा दी गई थीं? जब पाकिस्तान को घुसकर मारने का मौका था, तब भाजपा की सरकार पीछे हट गई। उन्होंने कहा कि क्रिकेट के मैदान पर रविवार को जो हुआ क्या वह फिक्स मैच था। उस मैच पर डेढ़ लाख करोड़ रुपए का सट्टा खेला गया, इसमें पाकिस्तान को भी उसका हिस्सा मिला होगा। कल के मैच की वजह से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को कम से कम एक हजार करोड़ रुपए मिले होंगे। संजय राउत ने कहा कि आप पाकिस्तान को हमारी महिलाओं की मांग मिटाने के लिए सक्षम बना रहे हैं। पाकिस्तान जीता या हारा, इससे हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। कुल मिलाकर मैच में डेढ़

लाख करोड़ का जुआ खेला गया। सब कुछ पहले से फिक्स करके ये मैच खेला गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान को फायदा पहुंचाने के लिए यह मैच खेला गया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए सांसद संजय राउत ने सवाल किया कि क्या अमित शाह को ये सब नहीं पता है, क्या भारतीय क्रिकेट बोर्ड को ये नहीं पता चला। भारतीय टीम की मैच खेलने की इच्छा नहीं थी।

तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार से पूछा सवाल, यूट्यूबर की पिटाई करने वाले मंत्री पर कार्रवाई क्यों नहीं

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने जाले विधायक और मंत्री जीवेश मिश्रा और उनके समर्थकों पर कथित रूप से एक यूट्यूबर की पिटाई और अभद्र व्यवहार करने को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सवाल किया। उन्होंने पूछा कि अब तक इस मामले में कार्रवाई क्यों नहीं की गई? पटना में सोमवार को एक प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री बिहार आ रहे हैं, और मुझे उम्मीद है कि मंत्री जीवेश मिश्रा पर कार्रवाई होगी, जिन्होंने सवाल पूछने पर एक पत्रकार से अभद्र व्यवहार किया। उन्होंने उम्मीद जताई है कि उन्हें राज्य मंत्रिपरिषद से हटाकर जेल भेजा जाएगा। क्या प्रधानमंत्री सिर्फ वोट के लिए यहां आ रहे हैं? क्या यह श्जंगलराजश्य नहीं है? अगर यह जंगलराज नहीं है तो क्या है? उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले की

एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई है। मामले को रफा–दफा करने की कोशिश की जा रही है। वे खुद इस मामले को लेकर दरभंगा के जाले जा रहे हैं। मंत्री पद की एक गरिमा होती है। यूट्यूबर ने सिर्फ सड़क को लेकर एक सवाल पूछा था। इस मामले में कार्रवाई हो। अगर कार्रवाई नहीं की गई तो जनता भी जवाब देगी। इससे पहले तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री के बिहार आगमन पर निशाना साधा था। दूसरी तरफ, तेजस्वी यादव के आरोपों पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, तेजस्वी यादव को अपने पिता से कुछ सीख लेनी चाहिए, या यूं कहें कि उनके पिता को कुछ ज्ञान देना चाहिए था।

किरेन रिजिजू ने वक्फ अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का किया स्वागत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत किया। सुप्रीम कोर्ट ने पूरे कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, लेकिन अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतिम निर्णय आने तक कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी। अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय भी संभाल रहे रिजिजू ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला हमारी संस्थाओं में विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को हमारे लोकतंत्र के लिए एक अच्छा संकेत बताया। रिजिजू ने मुंबई में संवाददाताओं से कहा कि हम वक्फ

अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत करते हैं। सरकार के सॉलिसिटर जनरल ने सुनवाई में सरकार के सभी पहलुओं और इरादों को मजबूती से रखा। यह हमारे संसदीय लोकतंत्र के लिए एक अच्छा संकेत है। इस विषय पर संसद के दोनों सदनों में व्यापक रूप से बहस हुई। कुछ लोग अनावश्यक रूप से सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हैं। आप संसद के अधिकार को चुनौती नहीं दे सकते, आप कानून के कुछ प्रावधानों को चुनौती दे सकते हैं, और सुप्रीम कोर्ट ने इस पहलू पर अपनी मुहर लगा दी। संसद के दोनों सदनों में विधेयक पर व्यापक बहस का उल्लेख करते हुए, रिजिजू ने कहा कि यह निर्णय भारतीय लोकतंत्र की मजबूती और हमारी संस्थाओं में विश्वास को दर्शाता है। हम सभी समुदायों के लिए समावेशी विकास और न्याय की दिशा में काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि संशोधित कानून गरीब मुसलमानों, खासकर महिलाओं, बच्चों और अनाथों को सीधे तौर पर लाभान्वित करेगा। यह वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही लाएगा, जो लंबे समय से एक चिंता का विषय रहा है। केंद्रीय मंत्री ने उल्लेख किया कि सरकार उन प्रावधानों पर भी विचार करेगी जिन पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में रोक लगा दी गई है।

विश्वास करें सफलता/लक्ष्य प्राप्ति परिश्रम करने पर ही मिलती है

(प्रो०फे० जी०सी० पाण्डेय (अवकाष प्राप्त) उ०प्र० सरकार द्वारा सरस्वती सम्मान प्राप्त पर्यावरण विद)

आज प्रत्येक व्यक्ति संघर्ष के युग में जी रहा है क्योंकि जनसंख्या विस्फोट ऐसी हालत पैदा कर दी है कि उनको हमेशा सफलता के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। किसी भी बड़े उद्देश्य हेतु सफलता प्राप्त करना तभी संभव होगा जब मनुष्य समय के महत्व, अवसर, आत्मबल को भली भाँति समझे एवं विश्वास एवं उचित लक्ष्य प्राप्त अवसर को भुनाकर, पूरे आत्मबल के साथ धैर्य रखते हुए, कार्य करें। मैं विश्वास के साथ कहता हूँ कि सफलता का मूल मंत्र निम्नलिखित विचारों पर छिपा है। समय रेत के कण की तरह हमारे हाथ से फिसल जाता है, अतः एक क्षण को भी व्यर्थ मत कीजिए। आलस्य को छोड़कर, प्रारम्भ से ही समय का सदुपयोग बुद्धिमानी से करना चाहिए। एक कहावत है कि जो समय नष्ट करता है, समय उसे नष्ट करता है अर्थात् शक्ति और सामर्थ्य को नष्ट करते हुए अपने आचरण का भी पतन करता है। जिस काम को हम अभी करेंगे वही पूरा होगा परन्तु टालने पर परेशानी होगी। वर्तमान से कुछ भी नहीं। प्रातःकाल उठने से, बिना अवरोध चिन्तन के साथ योजनाएँ बन सकती हैं। कार्य को समाप्त करने के बाद ही विश्राम करना सुनियोजित समय, सुनियोजित मस्तिष्क का प्रतीक है। संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं जिसके जीवन में एक दो बार अवसर न आया हो। मनुष्य को सतर्क रहते हुए अवसर की ताक में रहना चाहिए, ताकि अवसर आने पर पूरी शक्ति एवं दृढ़ता के साथ उसका लाभ उठाना चाहिए। यह छोटा या बड़ा नहीं होता तथा छोटे से छोटे अवसर को भी मनुष्य अपने बुद्धि, चातुर्य से महत्वपूर्ण बना सकता है। यह भी जानना आवश्यक है कि अवसर कोई पका पकाया हलुवा नहीं है कि झट से खा लें। सर्वप्रथम अच्छे अवसरर को पहचानने वाली आँखे होनीं चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति विल्सन ने आत्म सुधार और सफलता के लिए प्राप्त किसी भी अवसर को व्यर्थ नहीं जाने दिया। वे अपने जीवन के प्रत्येक क्षण को महान् सुअवसर समझते थे। स्वयं के मन में उमंग एवं उत्साह भी होना चाहिए। हम संसार के निर्माता स्वयं है। यदि हमारी आत्मा मजबूत है, हमारे स्वप्न सही है, संकल्प दष्ढ़ है तो हमारी दुनियाँ निश्चित ही सुन्दर होगी। ईश्वर द्वारा आत्मबल ही है जो धैर्य रखते हुए, बिना थके, बिना हिम्मत हारे कठिन से कठिन परिस्थितियों में हमारे अन्दर साहस, दष्ढ़ इच्छा, कठोर परिश्रम और सकारात्मक सोच उत्पन्न कर लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रेरित करते हुए सफलता प्राप्त कराता है। आत्मबल की शक्ति और सामर्थ्य असीमित है जो कभी समाप्त नहीं होती। यह मनुष्य का सबसे बड़ा मित्र है जिसके सहारे वह अपनी सहायता स्वयं करके सफलता प्राप्त करता है। कठिनाईयाँ तो जीवन के आरंभ में आती है परन्तु यह वरदान सिद्ध होती हैं। पूर्व कठिनाईयाँ हमें शिक्षा के साथ–साथ साहस भी प्रदान करती हैं। ईश्वर ने निध्र्न से निर्धन व्यक्ति को भी सुसज्जित करके धरती पर भेजा है। प्रभु के बनाये अद्भुत यंत्र ''मानव शरीर'' में असीम शक्ति भरी है जिससे सफलता और विजय प्राप्त होती है। जिसके विचार किसी भी तरह डावॉडोल नहीं होते उन्हें योग्यता, साहस और दष्ढ़ता के अनुरूप ही सफलता मिलती है। मनुष्य के शरीर और मस्तिष्क के काम करने की एक सीमा है और वही व्यक्ति सफलता प्राप्त करता है जो अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार ही कार्य करता है। जिनकी आँखे और बुद्धि बारीकी से देखती हैं वे ही कोई विशिष्ट कार्य कर पाते हैं। विश्वास शब्द में सबसे अधिक शक्ति है। आत्मविश्वास ही हमारी सफलता का मूल कारण होता है। अतः मनुष्य को चाहिए कि वह प्रत्येक कार्य इस विश्वास के साथ करे कि वह अवश्य पूरा होगा, सफलता अवश्य प्राप्त होगी। अपने लक्ष्य के लिए जोशीले और जुनूनी बनिए। विश्वास रखिए, परिश्रम का फल सफलता ही है। लक्ष्य प्राप्ति के लिए विश्वास करना सीखे (विश्वास हो खुद पर तो सितारे बदल जाते है, नजर जो बदलो, नजारे बदल जाते हैं। कश्तियाँ बदलने कि भला जरूरत क्या है, दिशाओं को बदलो तो किनारे बदल जाते हैं।) हम सभी अगर लक्ष्य प्राप्ति करना चाहते हैं, तो विश्वास करना सीखे। पूर्ण विश्वास अपनी सोच, अपनी मेहनत पर, अपने आप पर विश्वास कीजिए। लक्ष्य प्राप्तकर्ता पर विश्वास कीजिए बिना विश्वास के आप कुछ भी नहीं कर पा सकते। विश्वास कीजिए आप भी सफल बन सकते हैं। अविश्वास शब्द अपनी जिन्दगी से निकाल फेकिए क्योंकि यह विश्वास आपको उन्नति के शिखर पर पहुँचा सकता हैं। अविश्वास गुमनामी के धरातल पर पहुँच सकता है। यह एक सत्य है कि जब भी कोई नया विचार दुनिया में आते है तो उसका विरोध होता हैं क्योंकि वह सबसे अलग होता है। जब कम्प्यूटर भारत में आया तो सबने उसका विरोध किया था परन्तु आज पूरा देश इस कम्प्यूटर क्रान्ति को अपना रहा है। यह देश की सफल कम्पनी/संस्था हैं जो विश्वास के पेड़ में ही सफलता के फल लगाते हैं। अगर आप किसी भी लक्ष्य प्राप्तकर्ता को देखे तो उनमें कितना आत्मविश्वास, जोश, उमंग, उम्मीद, चाह, सकारात्मक सोच हैं। जो लोग सपनों में भी हजारों व्यवस्तता के बावजूद वह खुशी से, लगन से, विश्वास से, अपनी मंजिलों की तरफ बढ़ते ही जाते है। दूसरी ओर आप ऐसे लोगों को देखिए जो नकरात्मक सोच रखाते हैं दूसरो पर अविश्वास करते हैं ओर ऐसे लोग कभी भी सफल नहीं होते। आप यदि लक्ष्य प्राप्तकर्ता बनना चाहते हैं तो, सक्सेस सपोर्ट सिस्टम, सफल और एक्टिव अपलाईन, टूल्स रिकमण्डेट बुक्स पर विश्वास करें। विश्वास की शक्ति को बढ़ाइयें, अपनी सफलता पर पूर्ण विश्वास रखिये। यह विश्वास आपको लक्ष्य प्राप्त कर्ता बनायेगा। न्यूट रॉके ने कहा था, ''जब चलना कठिन होता है, तब भी जुझारू लोग चलते रहते हैं।'' जब सड़क खराब हो, तो जुझारू लोग आगे आते हैं। वे जीतते हैं क्योंकि ये डटे रहते है और शिखर पर पहुँच जाते है।

लोग–बाग आलुओं की तरह होते हैं। जब आलुओं को बेचा जाता है, तो उन्हें अलग–अलग छाँटा जाता है, ताकि अधिकतम बाजार मूल्य प्राप्त हो सके। उन्हें आकार के हिसाब से छाँटा जाता है–बड़े, मध्यम और छोटे। छाँटने के बाद ही आलुओं को बोरे में बंद किया जाता है और ट्रक में लादा जाता है। यही वह तरीका है, जो आलू उगाने वाले किसान अपनाते है, परन्तु एक किसान ने कभी आलू छाँटने का कष्ट नहीं किया। परन्तु फिर भी वह सबसे अधिक धन कमाता था। एक परेशान पड़ोसी ने आखिकार उससे पूछ ही लिया, ''आपकी सफलता का रहस्य क्या है?'' उसने जवाब दिया, ''बहुत आसान है। मैं गाड़ी में आलू भर लेता हूँ और फिर शहर तक जाने वाली सबसे खराब सड़क पर चल देता हूँ। इस रास्ते में सबसे छोटे आलू हमेशा सबसे नीचे पहुँच जाते हैं। मध्यम आकार के आलू बीच में रहते हैं, जबकि बड़े आलू सबसे ऊपर आ जाते हैं।'' यह सिर्फ आलुओं के बारे में ही सच नहीं है। यह तो जीवन का नियम है। आलू खराब सड़को पर सबसे ऊपर पहुँचते हैं: संघर्ष करने वाले लोग मुश्किल समय में शिखर पर पहुँचते हैं। मुश्किलें हमेशा हारती हैं: संघर्ष करने वाले हमेशा जीतते है। सम्भावनापूर्ण चिंतन काम करता है। उक्त के तारतम्य में निम्नलिखित नियम भी विचारणीय है जो मनुष्य को सफलता प्रदान करता हैं:–

1. अंगों के बिना जीवन? या सीमा के बिना जीवन? अगर बिना हाथ–पाँव का आदमी बड़े सपने देख रहा है तो हम क्यों नहीं, हम सभी क्यों नहीं? अपने जीवन की संभावनाओं पर विश्वास के बिना आप कहाँ होंगे? हम में से कोई कहाँ होगा? भविष्य के लिए हमारी आशा हमें गति प्रदान करती है। अपनी जिन्दगी को थामें नहीं, ताकि आप पहले हुई ज्यादतियों के बारे में सोचते रह जाएँ।

2. अपने जूनुन का पीछा करने से कई पुरस्कार मिलेंगें, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपका जीवन चुनौतियों या संघर्षों से मुक्त होगा। आगे बढ़ते रहें, क्योंकि क्रिया से संवेग पैदा होता है, जो बदले में अप्रत्याशित अवसर पैदा करता है। ध्यान दें, आप गिरने के जोखिम के बिना खड़े नहीं हो सकते हैं। आपकी जिन्दगी खुशहाल हैं या नहीं यह आपका अपना चुनाव है।

3. आप जैसे हैं, वैसे ही बहुत अच्छे हैं। आज की विकलांगता कल का फायदा हो सकता हैं। आप अपनी हर विकलांगता के लिए अपनी हर चुनौती को दूर करने के लिए पर्याप्त क्षमताओं से सम्पन्न होते हैं। आपको अपनी कमी के अनुसार भी नहीं जीना चाहिए। अगर आपके साथ चमत्कार नहीं हो सकता तो खुद एक चमत्कार बन जाइए। अगर मैं असफल रहता हूँ तो मैं बार–बार कोशिश करता हूँ।

4. मनुष्य का साहस जितना हम सोचते हैं, उससे कहीं अधिक बुरी स्थिति को वह हैंडल कर सकता हैं। कभी–कभी आपको लग सकता है कि बस, आप अपना लक्ष्य पाने ही वाले हैं, लेकिन आप चूक जाते हैं। यह हार मानने का कोई कारण नहीं हारता केवल वह है जो दोबारा प्रयास करने से इनकार कर देता है। आशा का दामन कभी ना छोड़े।

आज देश में पूर्ण रूपेण शिक्षा में, नैतिक शिक्षा की आवश्यकता है क्योंकि आज आम आदमी भटक रहा है। नैतिक शिक्षा, शिक्षा की उस प्रणाली को व्यक्त करती है जो मनुष्य को मनुष्यता की ओर ले जाती है। उक्त प्रणाली व्यक्ति के दष्ष्टिकोण और व्यक्तित्व में परिवर्तन कर जीवन, समाज, राष्ट्र तथा प्रकष्ति के लिए उपयोगी भावों का नवनिर्माण करती है। यह शिक्षा सामाजिक मूल्यों की स्थापना में महती भूमिका निभाती है जिससे सामाजिक चेतना में अभिवष्द्धि, सामाजिक समरसता में वष्द्धि एवं समाज का सर्वांगीण विकास तथा मनुष्य के जीवन में उच्च आदर्शों को स्थापित करती है। इससे व्यक्ति के चरित्र का निर्माण के साथ–साथ व्यक्ति के यश एवं कीर्ति में वष्द्धि देती है। व्यक्ति के सम्पूर्ण जीवन की सार्थकता उसकी पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय तथा वैश्विक उपादेयता में सन्निहित होती है। निसंदेह उच्च मानवीय मूल्यों वाला व्यक्ति ही जीवन में सफल होता है। वर्तमान समय में सत्यता, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठता, न्याय प्रियता जैसे राष्ट्रीय मूल्यों की बहुत आवश्यकता है जो राष्ट्र को शिखर की ओर ले जा सके। अतः संवैधानिक नियमों के प्रति विश्वास और सामाजिक न्याय की स्थापना में नैतिक शिक्षा का महत्व प्रासंगिक है। आज व्यक्ति अपने अधिकारों की मांग जोर शोर से कर रहा है जबकि पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, वैश्विक तथा प्राकृतिक कर्तव्यों से विमुख होता जा रहा है। इस विषम स्थिति से निकलने का उचित मार्ग नैतिक शिक्षा है। नैतिक शिक्षा के कारण मानव में उच्च मानवीय मूल्यों की स्थापना सम्भव है।

हम जानते हैं :–

सर्वे भवन्तु सुखिनः

अर्थात् :– यह अपना है या पराया है, ऐसा आकलन संकुचित चित्त वाले व्यक्तियों का होता है। (आम तौर पर कुटुम्ब का अर्थ परिवार से लिया जाता है, जिसमें पति–पत्नी एवं संताने और बुजुर्ग माता–पिता होते हैं। मनुष्य इन्हीं के लिए धन–संपदा अर्जित करता है। कुछ विशेष अवसरों पर वह निकट संबंधियों और मित्रों पर भी धन का एक अंश खर्च कर लेता है)। किन्तु उदात्त वषत्ति वाले तो समाज के सभी सदस्यों के प्रति परोपकार भावना रखते हैं और सामर्थ्य होने पर सभी की मदद करते है। यह सुभाषित ''वसुधैव कुटुम्बकम्'' के भावना की प्रेरणा देता है। जब तक दूसरे सुखी नहीं होंगे हम सुखी नहीं हो सकते। इसलिए सब सुखी हों, सब स्वस्थ हों, सब का कल्याण हो। जब तक जीवन रहे, सही काम करें, अपना सर्वश्रेष्ठ, और दूसरों की परवाह करें। मुश्किलों का सामना सकारात्मक नजरियों से करें, काम की आलोचना करें, व्यक्ति का नहीं, दूसरे के जीवन में मूल्य जोड़ें और जीवन का आनन्द लें। हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ करें। अतः जीवन का ध्येय विश्व का कल्याण है। यही सनातन विचारधारा है। देश का सम्पूर्ण विकास इसी में नीहित है जिससे देश पूर्ण विकसित एवं समष्द्ध होगा।

..... विविध .....

100 बरस के बाद भी जीने का सपना

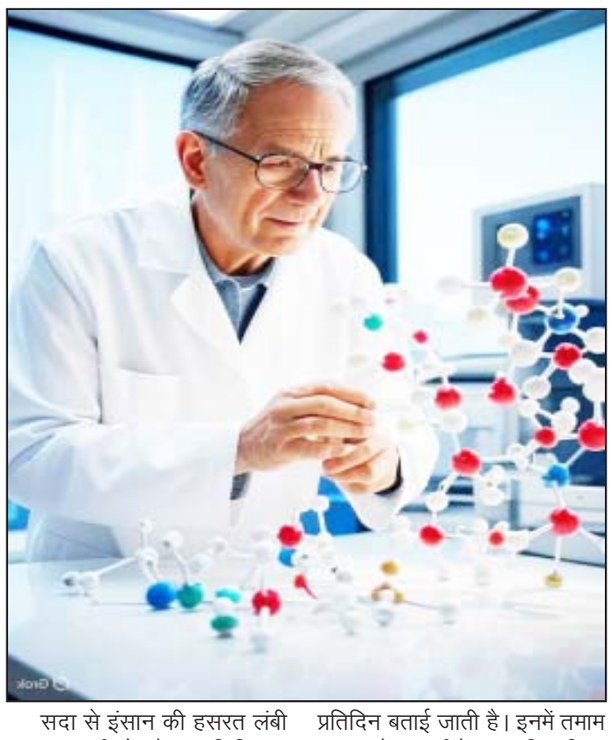

सदा से इंसान की हसरत लंबी उम्र पाना रही है। बेहतर चिकित्सा सहूलियतों के बल पर पूरी दुनिया में जीवन संभाव्यता बढ़ी भी है। वैज्ञानिकों के अनुसार, दवाओं व तकनीक के अलावा सर्जरी और अंग प्रत्यारोपण इसमें मददगार हैं। वहीं ऐजिंग में तब्दीली की गुंजाइश है। लेकिन हाल ही में चीन और रूस के राष्ट्रपतियों के बीच इंसान के 150 साल जीने संबंधी बातचीत ने इस बारे में नयी चर्चा छेड़ दी है। दरअसल ऐजिंग रोकने को लेकर अनुसंधान जारी हैं। प्रयोगों में उपवास के भी सकारात्मक परिणाम मिले हैं। अमेरिकी भविष्यवेत्ता, आविष्कारक–लेखक रे कुर्जवील रोजाना दर्जनों गोलियों (टैबलेट्स) का सेवन करते हैं। मीडिया रिपोर्टों, जैसे मैगजीन– टाइम और फोर्ब्स में प्रकाशित इंटरव्यू, के मुताबिक कभी कुर्जवील 200 से 250 सप्लीमेंट्स प्रतिदिन तक लेने की बात कर चुके हैं। हाल के वर्षों में यह संख्या घटकर लगभग 80–100 टैबलेट्स प्रतिदिन बताई जाती है। इनमें तमाम तरह के सप्लीमेंट्स, विटामिन, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट्स और बुढ़ापा रोकने (एंटी–एजिंग) या उम्र बढ़ाने वाली यानी लाइफ–एक्सटेंशन दवाएं होती है। कुर्जवील को कोई जानलेवा बीमारी नहीं है। बल्कि इन दवाओं आदि का सेवन मुख्य रूप से दीर्घायु से जुड़े उनके प्रयोगों और मान्यताओं का हिस्सा है।

जिस भविष्य का सपना कुर्जवील देख रहे हैं और जिसे साकार करने के लिए इतनी दवाएं खाते हैं, उसका एक संकेत हाल में बीजिंग में हुई चीन की सैन्य परेड के दौरान चीन और रूस के राष्ट्रपति क्रमशरू व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग के बीच बातचीत का एक हिस्सा उजागर होने से मिला। बातचीत में पुतिन, जिनपिंग से यह कहते हुए सुने गए कि इंसानी अंगों को बार–बार प्रत्यारोपित किया जा सकता है ताकि उम्र बढ़ने के बावजूद इंसान और जवान होता जाए और शायद अनिश्चित काल तक बुढ़ापे को टाला जा सके। उन्होंने यह अनुमान भी लगाया कि इस तरह मौजूदा सदी में ही इंसान 150 साल तक जिंदा रहने योग्य हो जाएगा। कहा नहीं जा सकता कि उक्त बातचीत किसी हंसी–मजाक का हिस्सा थी, या इसमें वे खुद को लगभग अमर रखने की संभावनाओं को तलाश रहे थे। ध्यान रहे कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 31 दिसंबर 1999 से सत्ता में हैं (कुछ अवधि तक प्रधानमंत्री भी रहे), जबकि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 2012 से सत्ता के शीर्ष पर हैं (कम्युनिस्ट पार्टी महासचिव) और 2013 से राष्ट्रपति हैं। इससे इस संभावना में कुछ सत्यता प्रतीत हो सकती है कि ये दोनों नेता खुद को बूढ़े होने से बचाते और सक्रिय रहते हुए सत्ता पर काफी लंबे समय तक टिकाए रखने की जुगत सोच रहे होंगे। लेकिन इस चर्चा से बाहर एक बड़ा सवाल यह है कि क्या आम इंसान को भी अमर बनाया जा सकता है या फिर 150–200 बरस तक जिंदा रखा जा सकता है?

सर्जरी, अंग प्रत्यारोपण से हटकर नयी तकनीकें

यूं तो दुनिया में उपलब्ध बेहतर चिकित्सा सहूलियतों (खासकर अमीरों के लिए) के बल पर पूरी दुनिया में जीवन संभाव्यता बढ़ी है। इसके अलावा सर्जरी और अंग प्रत्यारोपण से मृत्युदर में काफी कमी आई है। एक तथ्य है कि ब्रिटेन में ही अंग और रक्त प्रत्यारोपण से बीते 30 वर्षों में एक लाख से ज्यादा जानें बचाई गई हैं। जिगर (लिवर), गुर्दा (किडनी), फेफड़े आदि अंगों के प्रत्यारोपण से कुछ मरीजों का जीवन 10 से 50 साल तक बढ़ गया है। हालांकि यह तथ्य मरीज और अंग–दानदाता की उम्र और सेहत पर निर्भर करता है। असल में, सर्जरी और अंग प्रत्यारोपण से बाहर विज्ञान की मदद से इंसानी उम्र बढ़ाने की तकनीकों और करिश्मों पर चर्चा इक्कीसवीं सदी में तेजी से बढ़ी है। दस साल पहले दिसंबर, 2015 में दिल्ली में एक कार्यक्रम में शामिल हुए जाने–माने विज्ञानी डॉ. एब्रे डि ग्रे (सेंस रिसर्च फाउंडेशन के चीफ साइंस ऑफिसर) ने इस बारे में एक अनुमान पेश किया था कि अगले 15 वर्षों में यह करिश्मा करना संभव हो सकता है जब औसतन हरेक इंसान कम से कम सौ साल तो जीने ही लग जाए। ऐजिंग यानी बढ़ती उम्र रोकने वाली दवाओं के अनुसंधान पर काम कर रहे डॉ. ग्रे के मतानुसार कोशिकाओं के क्षरण को रोक कर और शरीर में मौजूद मॉलेक्यूल्स की चाल पलट कर बढ़ती उम्र यानी ऐजिंग को कुछ हद तक थामा जा सकता है। चूंकि अब साइंस यह काम करने के करीब है, लिहाजा सौ साल की जिंदगी को एक आम बात बनाना मुमकिन है। यहां मुख्य जोर उम्र बढ़ाने के बजाय इंसानों को बूढ़ा होने से रोकने पर है।

साइंस की नजर में ऐजिंग प्रक्रिया

साइंस की नजर में बूढ़ा होना यानी ऐजिंग एक ऐसी प्रक्रिया है जिसका सामना पृथ्वी पर मौजूद हर जड़–चेतन को करना पड़ता है। वनस्पतियों और जीवधारियों में तो बढ़ती उम्र साफ दिखती है। चेहरे और हाथ–पांव में पड़ती झुर्रियां, झुकते शरीर और कमजोर होती हड्डियों के अलावा आंख–कान से लेकर हर इंद्रिय का क्षरण बुढ़ापे का साफ संकेत होता है। पर विज्ञान की नजर में बुढ़ापा असल में कोशिकाओं के विभाजन की दर पर निर्भर है। मानव की कोशिकाएं अपनी मृत्यु से पहले औसत रूप से अधिकतम 50 बार विभाजित होती हैं। जितनी बार कोशिकाएं विभाजित होती हैं, इंसानी क्षमताओं में शनैरू–शनैरू उतनी ही कमी आने लगती है। बुढ़ापे का एक अन्य कारण टेलोमर्स नामक एंजाइम्स की लंबाई घटना भी माना जाता है। युवावस्था में टेलोमर्स प्रचुर मात्रा में बन पाते हैं जो डीएनए कोशिकाओं को टूट–फूट से बचाता है। टेलोमर्स असल में प्रत्येक डीएनए के दोनों छोरों पर लगने वाली ढक्कन जैसी संरचनाएं हैं, जिनकी लंबाई उम्र बढने के साथ कम होती जाती है। शरीर बुढ़ाने के कई कारणों टेलोमर्स के छोटे होते जाने की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण समझी जाती है।

बीते 50–60 वर्षों में बढ़ी औसत उम्र

आज से सौ या पचास पहले इंसान की औसत आयु कोई खास नहीं थी। पचास साल की उम्र के बाद लोग बूढ़े लगने लगते थे और जल्द ही मृत्यु को प्राप्त होते थे। पर पिछले 50–60 वर्षों में ही पूरी दुनिया में औसत उम्र बढ़ चुकी है। कम से कम 1970 में पैदा हुए अमेरिकियों पर यह बात लागू होती ही है, जिनकी औसत उम्र पहले 70.8 वर्ष मानी गई थी, जो अब से 25 साल पहले यानी वर्ष 2000 में 77 साल मानी जाने लगी थी। इसी तरह वयस्क अमेरिकियों की औसत उम्र 2002 में अगर 75 साल मानी जा रही थी, तो अब आगे उसमें 11. 5 साल की और बढ़ोतरी की उम्मीद है।

आयुवृद्धि मंद होने में मददगार कारक

पुतिन और जिनपिंग की तरह यह बात हर कोई जानना चाहेगा कि साइंस ने वह कौन सा चमत्कार किया है कि इंसान की औसत उम्र में सहसा बढ़ोतरी होती लग रही है। विज्ञानियों के मुताबिक उम्दा खानपान और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं का इसमें बड़ा रोल है। पर इससे भी बड़ी बात है वृद्धावस्था में मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखना और दिमाग, मांसपेशियों, जोड़ों, इम्यून सिस्टम, फेफड़ों और दिल में 'सिनेसेंस' कहे जाने वाले बदलावों पर अंकुश लगाना, क्योंकि इन्हीं से बढ़ती उम्र पर काबू पाया जा सकता है।

कोरियल ग्लास के चक्कर में स्किन की कई बीमारी ले रही लड़कियां

बढ़ती उम्र के साथ लड़कियों में अपने लुक्स और पर्सनैलिटी को लेकर जागरूकता बढ़ जाती है। खासकर 10 से 15 साल की उम्र की लड़कियां आजकल जल्दी जवान और ग्लोइंग दिखने की चाह में कोरियन ब्यूटी ट्रेंड अपना रही हैं। कोरियन ड्रामे, के–पॉप स्टार्स और सोशल मीडिया पर दिखने वाली "ग्लास स्किन" यानी पोर्स–लेस, चमकदार और फ्लॉलेस स्किन पाने की चाह ने नाबालिग लड़कियों को स्किनकेयर का दीवाना बना दिया है। कोरियन ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल स्किन को नुकसान पहुंचा रहा है।

बच्चे कर रहे हैं एक्सपेरिमेंट

कई ळमर्द (कम उम्र की लड़कियों) तरह–तरह के सीरम, क्रीम और स्किनकेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ये लड़कियां रात को 10–स्टेप स्किनकेयर रूटीन फॉलो कर रही हैं, जिसमें क्लेंजर, टोनर, सीरम, एसेंस, फेस ऑयल और मॉइश्चराइजर जैसे कई प्रोडक्ट्स शामिल हैं। सोशल मीडिया पर स्किनकेयर वीडियो देखकर बच्चे नई–नई चीजें ट्राई करते हैं और ऑनलाइन महंगे प्रोडक्ट्स मंगवा लेते हैं। कई बार वे दोस्तों से प्रेरित होकर खुद ही महंगे प्रोडक्ट्स खरीदने लगते हैं।

माता–पिता की बढ़ी चिंता

बहुत से पेरेंट्स का कहना है कि वे बच्चों को समझाने की कोशिश करते हैं लेकिन सोशल मीडिया का प्रभाव इतना ज्यादा है कि बच्चे उनकी बात नहीं मानते। दिल्ली की एक मां ने बताया कि उनकी 12 साल की बेटी रोजाना स्किनकेयर रूटीन करती है और महंगे सीरम व क्रीम की डिमांड करती है। शुरुआत में यह सिर्फ शौक लगा था, लेकिन अब यह उसकी आदत बन गई है। माता–पिता को डर है कि इतनी कम उम्र में केमिकल बेस्ड प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल उनकी स्किन को नुकसान पहुंचा सकता है।

डॉक्टरों की चेतावनी

त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि 10 से 15 साल की उम्र के बच्चों की स्किन नैचुरली हेल्दी और ग्लोइंग होती है, उन्हें इतने सारे प्रोडक्ट्स की जरूरत नहीं होती। बार–बार केमिकल्स के इस्तेमाल से स्किन पर रैशेज, एलर्जी, पिग्मेंटेशन, एक्ने और समय से पहले एजिंग के लक्षण दिख सकते हैं। डॉक्टरों का सुझाव है कि इस उम्र में सिर्फ हल्की क्लेंजिंग और सनस्क्रीन का इस्तेमाल ही पर्याप्त है।

ब्रांड्स और सोशल मीडिया का असर

रिपोर्ट्स के मुताबिक बड़े–बड़े कॉस्मेटिक ब्रांड्स अब 10–12 साल के बच्चों को टारगेट कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर रुळसैंपद और रुज्ञठमंनजल जैसे हैशटैग्स बच्चों को और आकर्षित कर रहे हैं। ब्रांड्स रंगीन पैकेजिंग और ग्लॉसी विज्ञापनों के जरिए बच्चों को लुभाते हैं, जिससे वे आसानी से प्रभावित होकर महंगे प्रोडक्ट्स खरीदने लगते हैं।

असली ग्लो नैचुरल केयर में है

विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों की त्वचा नैचुरली बहुत सॉफ्ट और ग्लोइंग होती है। उसे अतिरिक्त केमिकल्स की जरूरत नहीं है। संतुलित आहार, पर्याप्त पानी, नींद और सन प्रोटेक्शन से ही स्किन को स्वस्थ रखा जा सकता है। ग्लास स्किन जैसी परफेक्शन की चाहत में पड़कर बच्चे अपनी स्किन को नुकसान पहुंचा रहे हैं। माता–पिता को चाहिए।

दुर्गा स्वरूपा सम्मान समारोह 2025 का भव्य आयोजन उर्दू अकादमी में किया गया

लखनऊ, (संवाददाता)। दुर्गा स्वरूपा सम्मान समारोह 2025 का भव्य आयोजन 14 सितम्बर 2025 को उर्दू अकादमी, गोमती नगर, लखनऊ में दुर्गा स्वरूपा फाउंडेशन द्वारा सचिव श्रीमती रागिनी श्रीवास्तव के नेतृत्व में किया गया। इस गरिमामयी समारोह में 13 विशिष्ट व्यक्तित्वों को उनके क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, विशिष्ठ अतिथि श्रीमती नम्रता पाठक, श्रीमती बिन्दु बोरा ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने सभी विभूतियों को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, सेलिब्रिटी गेस्ट रोनी शाह भी मौजूद रहे। डिप्टी सीएम श्री बृजेश पाठक ने कहाकि दुर्गा स्वरूपा फाउंडेशन उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित कर उन्हें प्लेटफार्म उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने सम्मानित होने वाली विभूतियों को बधाई देते हुए कहा कि इन विभूतियों ने अपने दम पर मुकाम हासिल कर समाज में अपनी अलग पहचान बनाई है। सम्मानित होने वालो में साहित्य क्षेत्र से विद्या बिंदु सिंह, प्रो. सुरेंद्र विक्रम, नवल कांत सिन्हा, अंबरीन जैध्दी (सैन्य लेखिका), खेल क्षेत्र से सैयद अली (हॉकी खिलाड़ी), उमेश प्रसाद (तैराक), सुनील चंद्र जोशी (टेबल टेनिस खिलाड़ी), रचना गोविल (एथलीट), कला व संस्कृति से सुनीता झिंगरान (गायिका), फरहाना फातिमा (अभिनेत्री एवं नृत्यांगना), संजोली पांडे (लोकगायिका), पद्मश्री नसीम बानो (चिकनकारी कलाकार), सामाजिक कार्य से अमित अग्रवाल शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, दुर्गा स्वरूपा बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड से 9 युवा उद्यमियों को सम्मानित किया गया। 5 गरीब व जरूरतमंद व्यक्तियों को आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई।दुर्गा स्वरूपा गुरु सम्मान समर्पित शिक्षकों को और दुर्गा स्वरूपा छात्र शौर्य सम्मान दसवीं कक्षा के उन छात्रों को दिया गया जिन्होंने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान की समीक्षा की

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों और मुख्य चिकित्साधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले ष्स्वस्थ नारी, सशक्त परिवारष् अभियान की तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। श्री पाठक ने कहा कि एक स्वस्थ नारी ही एक सशक्त परिवार का आधार होती है, जिससे समाज और राष्ट्र की प्रगति संभव है। इसी दृष्टि से यह अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है, और सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को पूरी निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।उपमुख्यमंत्री ने बताया कि इस अभियान के तहत प्रदेश की सभी स्वास्थ्य इकाइयों पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन होगा, जबकि जिला स्तरीय स्वास्थ्य इकाइयों पर स्वास्थ्य और रक्तदान शिविर भी लगाए जाएंगे। उन्होंने जोर दिया कि इन शिविरों में बच्चों, महिलाओं, गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। सामुदायिक चिकित्सालयों में स्त्री रोग, नेत्र रोग, ई.एन.टी., चर्म रोग, मानसिक रोग और अन्य विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क परीक्षण और उपचार की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही, आयुष विभाग के स्टालों के माध्यम से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली, सही आहार, योग और व्यायाम अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।श्री पाठक ने यह भी निर्देशित किया कि इस अभियान के दौरान आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों का विधिवत दस्तावेजीकरण कर रिपोर्ट शासन को भेजी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया।

संक्षिप्त खबरें

स्वच्छ भारत मिशन को मिलेगी नई गति, राज्यमंत्री असीम अरुण की अनूठी पहल

लखनऊ, (संवाददाता)।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छ भारत मिशन को नई गति देने के लिए समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री असीम अरुण ने एक अनूठी पहल की है। उनके निर्देश पर, प्रदेश के सभी जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों और राजकीय छात्रावासों में हर रविवार को श्रमदान कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को अनुशासन, सहयोग और श्रम के प्रति सम्मान की भावना से जोड़ते हुए उन्हें जिम्मेदार व कर्मठ नागरिक बनाना हैइस कार्यक्रम के अंतर्गत हर रविवार को कक्षाओं, छात्रावासों और गलियारों की सफाई की जाएगी। साथ ही टूटी हुई कुर्सियों, मेजों और अन्य फर्नीचर की मरम्मत का काम भी होगा। पूरे परिसर को सुव्यवस्थित करने के साथ–साथ पानी की टंकियों और नालियों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, बागवानी पर जोर देते हुए पेड़–पौधों की निराई–गुड़ाई, नए पौधों का रोपण और सूखे पत्तों से खाद बनाने का काम भी किया जाएगा।कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए विद्यालय परिसरों को अलग–अलग सदनों में विभाजित कर प्रत्येक सदन को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इससे विद्यार्थियों में न केवल प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ेगी, बल्कि वे अपने क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाने में भी योगदान देंगे। कार्य की निगरानी के लिए, श्रमदान शुरू होने से पहले और बाद की तस्वीरों को निर्धारित प्रारूप में अपलोड किया जाएगा।

लखनऊ में अवैध शराब का बड़ा रैकेट बेनकाब, आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के अपने अभियान के तहत, लखनऊ पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। हुसैनगंज पुलिस और आबकारी विभाग की एक संयुक्त टीम ने अवैध शराब की तस्करी में लिप्त एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के ठिकाने से भारी मात्रा में नकली क्यूआर कोड, विभिन्न ब्रांड की खाली बोतलें और अन्य उपकरण बरामद किए हैं, जिनसे वह सस्ती शराब को महंगे ब्रांड की बोतलों में भरकर ऊंचे दामों पर बेचता था।यह गिरफ्तारी 13 सितंबर, 2025 को एक गुप्त सूचना के आधार पर हुई। आबकारी निरीक्षक कौशलेंद्र रावत को मुखबिर से जानकारी मिली थी कि छितवापुर पजावा के कल्लू पंडित गली में एक व्यक्ति अवैध शराब का कारोबार चला रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए, आबकारी निरीक्षक प्रदीप कुमार शुक्ला और थाना हुसैनगंज की पुलिस टीम, जिसमें उपनिरीक्षक वेद प्रकाश यादव और कांस्टेबल मनीष कुमार तिवारी शामिल थे, मौके पर पहुँची।संयुक्त टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी राम पाल (लगभग 40 वर्ष) को उसके घर से धर दबोचा। तलाशी के दौरान पुलिस और आबकारी टीम यह देखकर दंग रह गई कि आरोपी ने अपने घर को ही अवैध शराब की एक छोटी सी फैक्ट्री में बदल रखा था। पूछताछ में राम पाल ने अपना तरीका बताया, जो बेहद शातिर था। वह सस्ती शराब को महंगे ब्रांड जैसे ब्लैक लेवल और ब्लैक डॉग की खाली बोतलों में भरता था और फिर उन पर नकली ढक्कन व फर्त कोड लगाकर असली जैसा रूप देता था। इस नकली शराब को वह रात में, शराब की दुकानें बंद होने के बाद, ऊंचे दामों पर बेचता था।पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कुल 69 नकली क्यूआर कोड और 13 इस्तेमाल किए गए क्यूआर कोड बरामद किए हैं, जो उसकी धोखाधड़ी की योजना का सबसे अहम हिस्सा थे। इसके अलावा, मौके से विभिन्न ब्रांड की खाली बोतलें, दो प्लास्टिक की बोतलों में भरी लगभग 2 लीटर शराब, 132 ढक्कन और शराब की बोतलों को सील करने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण जैसे चाकू, लाइटर, फैवीक्विक, सेलो टेप और एक पेचकस भी बरामद हुआ है।इस पूरे ऑपरेशन को पुलिस उपायुक्त (मध्य) के पर्यवेक्षण में अंजाम दिया गया। आरोपी राम पाल के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 60 और भारतीय न्याय संहिता की कई गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा है कि इस गिरफ्तारी से संगठित अपराध के इस नेटवर्क पर एक बड़ा प्रहार हुआ है।

लखनऊ पुलिस ने नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले जालसाज को दबोचा

लखनऊ, (संवाददाता)। साइबर अपराध के खिलाफ लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट ने एक और बड़ी कामयाबी हासिल की है। नौकरी दिलाने का झूठा वादा कर युवाओं को अपना शिकार बनाने वाले एक शातिर साइबर अपराधी को नाका पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने न सिर्फ आरोपी को सलाखों के पीछे पहुंचाया है, बल्कि पीड़ित के 60,000 रुपये भी आरोपी के बैंक खाते से सुरक्षित कर लिए हैं।यह मामला 6 सितंबर, 2025 को सामने आया जब फतेहगढ़ के रहने वाले राजीव सिंह कुशवाहा ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। राजीव के बैंक खाते से धोखे से 60,000 रुपये निकाल लिए गए थे। इस शिकायत के आधार पर नाका पुलिस ने तत्काल मु.अ.सं. 173ध्2025 दर्ज कर जांच शुरू की।पुलिस टीम ने तकनीकी और गोपनीय सूत्रों की मदद से इस पूरे रैकेट के पीछे छिपे अपराधी की पहचान कर ली। अथक प्रयास के बाद, पुलिस ने आरोपी मोहम्मद मोनिश को 13 सितंबर, 2025 को नाका चौराहे से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के साथ ही, पुलिस ने आरोपी के बैंक खाते को फ्रीज करवा दिया। यह पुलिस की तत्परता का ही परिणाम था कि धोखाधड़ी की गई पूरी राशि अभी भी खाते में मौजूद मिली, जिसे अब नियमानुसार पीड़ित को लौटाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।पूछताछ में मोनिश ने ठगी का अपना बेहद शातिर तरीका बताया। वह पहले सोशल मीडिया या अन्य तरीकों से युवाओं से दोस्ती करता था और उन्हें अच्छी नौकरी का लालच देता था। नौकरी का भरोसा जीतने के बाद, वह उनसे आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक खाते से जुड़ा मोबाइल नंबर जैसी संवेदनशील जानकारियां मांगता था। इन जानकारियों का उपयोग कर वह पीड़ितों के खातों को हैक कर पैसे निकाल लेता था।

संक्षिप्त खबरें

लखनऊ में ठग गिरफ्तार, रिक्शा चालक से मोबाइल व 78 हजार रुपये ठगे थे

लखनऊ(आरएनएस)। राजधानी में ठगी की एक बड़ी घटना को अंजाम देने वाले शातिर अपराधी को लखनऊ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने एक रिक्शा चालक को मदद का झांसा देकर न सिर्फ उसका मोबाइल फोन चुराया, बल्कि उसके बैंक खाते में जमा सौर सब्सिडी के 78,000 रुपये भी निकाल लिए थे। चौक थाना पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके कब्जे से चोरी का मोबाइल, नगद और वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद की है।यह मामला तब सामने आया जब मड़ियांव थाना क्षेत्र के निवासी बाबूराम शर्मा ने 13 सितंबर, 2025 को चौक थाने में शिकायत दर्ज कराई। बाबूराम ने बताया कि 27 अगस्त, 2025 को सुबह के समय शिया पीजी कॉलेज, खदरा के पास एक अज्ञात व्यक्ति ने उनका रिक्शा रोका। उस व्यक्ति ने उनसे चौक में मोहम्मद आमिर बेस्ट आईसीयू अस्पताल से दवाइयां लाने में मदद मांगी। उसने कहा कि उसका मालिक ऑनलाइन भाड़ा भेज देगा और बाबूराम के मोबाइल पर पैसे आने की बात कही।चूंकि बाबूराम पढ़े–लिखे नहीं थे, उन्होंने उस व्यक्ति को अपना मोबाइल फोन दे दिया। शातिर ठग ने पहले अपने मालिक के नंबर पर एक रुपया भेजा, और फिर मोबाइल को चेक करने का बहाना बनाकर अस्पताल के अंदर चला गया। जब काफी देर तक वह वापस नहीं आया, तो रिक्शा चालक ने खोजबीन की। तब उसे पता चला कि वह व्यक्ति उसका विवो कंपनी का मोबाइल फोन लेकर भाग गया है।पुलिस के अनुसार, उसी दिन बाबूराम के बैंक खाते में सौर सब्सिडी के रूप में 78,000 रुपये जमा हुए थे। शातिर ठग ने मोबाइल चोरी करने के बाद, उस पैसे को अलग–अलग नंबरों पर भेजकर निकाल लिया था। शिकायत के बाद चौक थाने में मामला दर्ज किया गया। पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी) के निर्देशन में टीम ने कार्रवाई करते हुए आज यानी 14 सितंबर, 2025 को आरोपी सनी उर्फ यश को रूमी गेट चौकी के पास से गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ठगी से प्राप्त हुआ आसमानी रंग का विवो मोबाइल फोन, घटना में इस्तेमाल की गई ।

सुपर सेविंग्स सेल के साथ छोटे कारोबारियों को डिजिटल बनाने में गोडैडी कर रहा मदद

लखनऊ, (संवाददाता)। आज के डिजिटल युग में किसी भी कारोबार को ऑनलाइन लाना सिर्फ एक लग्जरी नहीं, बल्कि एक जरूरत है, खासकर जब भारत का ई–कॉमर्स सेक्टर 2028 तक 160 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद के साथ लगातार आगे बढ़ रहा है। त्योहारों के मौसम में ऑनलाइन मौजूदगी और भी ज़्यादा जरूरी हो जाती है, जब अचानक खरीदारी और आखिरी मिनट के ऑर्डर कई गुना बढ़ जाते हैं। बिना वेबसाइट और डोमेन नाम की बारीकियों को जाने, उसमें निवेश करना निश्चित रूप से थोड़ा डराने वाला हो सकता है। लेकिन अब ऐसा नहीं है।इस त्योहारी सीजन में, गोडैडी भारत भर के छोटे कारोबारियों को डिजिटल बनने और कम कीमत पर – सिर्फ 99 में बड़ा प्रभाव डालने के लिए मजबूत बना रहा है। हर हफ्ते, एक नया डोमेन एक साल की अवधि के लिए 95 प्रतिशत तक की छूट पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। सितंबर सुपर सेविंग्स सेल नए ग्राहकों को गोडैडी वेबसाइट पर उसकी उपलब्धता की जांच करने के बाद अपने बिजनेस के अनुरूप डोमेन नाम खरीदने की ।

सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने बाइक चोरी का खुलासा किया, शातिर चोर गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में वाहन चोरी की वारदातों को रोकने के लिए लखनऊ पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में, सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने एक बाइक चोरी की घटना का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली है।यह मामला 13 सितंबर, 2025 को तब प्रकाश में आया, जब अवनीश कुमार नामक एक व्यक्ति ने अपनी मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई। अवनीश ने पुलिस को बताया कि उसकी एचएफ डीलक्स बाइक, जिसका नंबर न्च्44।ठ 2373 था, को कल्याण सिंह सुपर स्पेशलिटी कैंसर हॉस्पिटल के गेट नंबर 3 के सामने से चुरा लिया गया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ तत्काल मुकदमा अपराध संख्या 818ध्2025, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।जांच के दौरान, पुलिस टीम को 14 सितंबर, 2025 को एक मुखबिर से महत्वपूर्ण सूचना मिली। मुखबिर से मिली जानकारी के आधार पर, पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपी शालू यादव, पुत्र राम सनेही, को अमूल डेयरी की तरफ जाने वाले रास्ते पर झाड़ियों के पास से धर दबोचा। आरोपी बाराबंकी जिले का रहने वाला है और उसकी उम्र लगभग 24 साल है। पूछताछ में पता चला कि वह एक होटल में खाना बनाने का काम करता है।गिरफ्तारी के बाद, पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की गई मोटरसाइकिल को बरामद कर लिया। बरामद हुई बाइक वही थी, जिसके चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी करते हुए आरोपी को पुलिस हिरासत में ले लिया और सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस की इस तत्परता से की गई कार्रवाई ने न सिर्फ चोरी का जल्द खुलासा किया, बल्कि वाहन चोरों के गिरोह को भी एक कड़ा संदेश दिया है।

लम्पी रोग पर सरकार सख्त, कृषि मंत्री ने की समीक्षा बैठक

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पशुओं में फैल रहे लम्पी रोग पर अंकुश लगाने के लिए कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रमुख सचिव, पशुधन एवं दुग्ध विकास श्री अमित कुमार घोष के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में रोग की वर्तमान स्थिति और उसके बचाव के लिए किए जा रहे उपायों पर विस्तृत चर्चा हुई।वर्तमान में चंदौली, गाजीपुर, बलिया, देवरिया, कुशीनगर, गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, बस्ती, मऊ, संतकबीरनगर और महराजगंज सहित कुल दस जनपदों के पशु इस रोग से प्रभावित हैं। इन जिलों में कुल 14,54,088 गोवंश हैं, जिनमें से 5,091 प्रभावित हुए हैं। राहत की बात यह है कि अब तक 4,325 पशु उपचार के बाद ठीक हो चुके हैं, जबकि 1,006 का इलाज अभी भी जारी है।रोग को नियंत्रित करने के लिए बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। रिंग वैक्सीनेशन प्रक्रिया के तहत 1,583 गांवों में 3,44,000 पशुओं का और बेल्ट वैक्सीनेशन के माध्यम से 545 गांवों में 1,22,979 पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। इसके अलावा, देवरिया और कुशीनगर जैसे सर्वाधिक प्रभावित जिलों में मुख्यालय से पशु चिकित्सकों की अतिरिक्त टीमें भेजी गई हैं।कृषि मंत्री ने सभी मुख्य पशु चिकित्साधिकारियों को जिलाधिकारियों के साथ मिलकर ग्राम स्तर पर जागरूकता फैलाने, साफ–सफाई, फॉगिंग और सैनिटाइजेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक मृत गोवंश का डेथ ऑडिट कर मृत्यु का सही कारण ज्ञात किया जाए। ताकि भविष्य में प्रभावी रोकथाम की रणनीति बनाई जा सके। श्री शाही ने यह स्पष्ट किया कि कोई भी जनपद पूरी तरह से प्रभावित नहीं है, बल्कि छिटपुट मामले सामने आ रहे हैं, ।

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान में संगोष्ठी का आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर रविवार, 14 सितंबर, 2025 को उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा हिन्दी भवन के निराला सभागार में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्ज्वलन और मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ, जिसके बाद श्रीमती रत्ना शुक्ला ने वाणी वंदना प्रस्तुत की। संस्थान की प्रधान संपादक डॉ. अमिता दुबे ने सम्मानित अतिथि डॉ. ऋचा मिश्रा, डॉ. हिमांशु सेन सिंह और डॉ. रामकृष्ण का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।इस अवसर पर, डॉ. ऋचा मिश्रा ने हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र संघ में मान्यता दिए जाने की वकालत करते हुए कहा कि भारत के धार्मिक ग्रंथ पूरे विश्व के विद्वानों के लिए मार्गदर्शन का काम करते हैं। उन्होंने हिन्दी के वैश्विक प्रचार–प्रसार में संचार माध्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. हिमांशु सेन सिंह ने हिन्दी को हमारे मान–सम्मान की भाषा बताते हुए इसे एक समावेशी और उदार भाषा कहा, जिसकी विकास यात्रा पूरे विश्व में लगातार आगे बढ़ रही है। उन्होंने महात्मा गांधी के विचार का उल्लेख करते हुए कहा कि हिन्दी उनके लिए स्वराज का प्रश्न थी। डॉ. रामकृष्ण ने सकारात्मक सोच पर बल देते हुए कहा कि हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र में मान्यता मिलने की पूरी संभावना है और भारत को इसे राष्ट्रभाषा के रूप में मान्यता देनी चाहिए।विशेष सचिव (भाषा) श्री ओम प्रकाश सिंह ने हिन्दी को सर्वोच्च स्थान दिलाने में वेदों और पुराणों की भूमिका पर जोर दिया और सभी से हिन्दी के प्रचार–प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान किया।

उत्तर प्रदेश में 218वां मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला आयोजित

लखनऊ, (संवाददाता)। जनसामान्य, विशेषकर समाज के अंतिम पायदान पर स्थित लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने के उद्देश्य से 14 सितंबर, 2025 को पूरे प्रदेश में 218वां मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला आयोजित किया गया। 2 फरवरी 2020 को शुरू हुआ यह मेला अपनी जाँच, उपचार और स्वास्थ्य योजनाओं की उपलब्धता के कारण जनता के बीच लगातार लोकप्रिय रहा हैआज के मेले में कुल 1,98,207 रोगियों को लाभ मिला, जिसमें 83,757 पुरुष, 80,832 महिलाएं और 33,618 बच्चे शामिल थे। इसके अतिरिक्त, 1,043 गंभीर रोगियों को निःशुल्क एंबुलेंस से उच्च चिकित्सा केंद्रों पर रेफर किया गया और 3,279 गोल्डन कार्ड वितरित किए गए।मेले के दौरान, आने वाले लोगों को व्यक्तिगत और पर्यावरणीय स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। उन्हें जल–जनित और मच्छरों से होने वाली बीमारियों से बचाव के उपाय बताए गए, जैसे सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करना और आसपास पानी जमा न होने देना। तम्बाकू के सेवन से होने वाली हानियों और गैर–संचारी रोगों से बचने के लिए स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की सलाह भी दी गई।मेले में कुल 5,036 चिकित्सकों, 15,344 पैरामेडिकल स्टाफ और 2,502 आईसीडीएस स्टाफ ने अपनी सेवाएँ दीं। आज 15,167 बुखार के मामले सामने आए। डेंगू के लिए 1,724 टेस्ट किए गए, जिनमें से 14 मरीज पॉजिटिव पाए गए, जबकि 176 कोविड एंटीजन टेस्ट में कोई भी मरीज पॉजिटिव नहीं मिला।अब तक आयोजित सभी मेलों को मिलाकर कुल 1,39,68,763 रोगियों को लाभ मिल चुका है। 3,54,408 गंभीर रोगियों को उच्च केंद्रों पर रेफर किया गया और 19,35,910 गोल्डन कार्ड बनाए गए।

मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी, लखनऊ में सीरत-उन-नबी सम्मेलन आयोजित किया गया

लखनऊ, (संवाददाता)। दस दिवसीय सीरत–उल–नबी (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) अभियान के समापन दिवस पर, मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी, जामिया मस्जिद मुंशी पुलिया, लखनऊ में ष्औजूदा हालात में पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) की मिसाल का मतलबष् शीर्षक से सीरत–उल–नबी (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता अलीगढ़ स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इस्लामिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट के निदेशक डॉ. अशहद जमाल नदवी ने की। कार्यक्रम की शुरुआत सूरह अल–अंबिया की तिलावत और जनाब मुफ्ती अली नईम रजी द्वारा इसकी व्याख्या से हुई। इस अवसर पर मौलाना ओबैदुर्रहमान अजहर और डॉ. कल्ब सिब्तैन नूरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।वक्ताओं ने अपने भाषणों में कहा कि पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) से प्रेम और उनके प्रति सम्मान धर्म का अभिन्न अंग हैं, इनके बिना धर्म अधूरा है। आज के हालात में, अगर हम अपने भाइयों और गैर–मुस्लिमों पर प्रभाव डालना चाहते हैं, तो हमें प्राचीन पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) के आदर्शों को अपनाना होगा। पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) की जीवनी केवल ऐतिहासिक घटनाएँ नहीं, बल्कि जीवन के हर पहलू के लिए एक व्यावहारिक मार्गदर्शक है। उनकी शिक्षाएँ उपासना से लेकर जीवन के हर पहलू और व्यक्तिगत जीवन से लेकर सामूहिक जीवन तक, हर पहलू पर प्रकाश डालती हैं। उनके आदर्श, न्याय, करुणा, धैर्य, विनम्रता और क्षमाशीलता हर युग के लिए आदर्श और प्रकाश स्तंभ हैं।वक्ताओं ने आगे कहा कि वर्तमान घरेलू, सामाजिक और वैश्विक समस्याओं का एकमात्र समाधान पवित्र पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) के सुंदर उदाहरण में निहित है। यदि हम अपने जीवन को बेहतर बनाना चाहते हैं, तो हमें उस नैतिक और आध्यात्मिक आधार की आवश्यकता है जो पवित्र पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने हमें अपने व्यावहारिक जीवन के माध्यम से दिखाया। यही असवद–उल–सुलैम का सही अर्थ है। पवित्र पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) की महानता और स्मरण के लिए कोई विशेष महीना नहीं है, बल्कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम पवित्र पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) की जीवनी का अध्ययन करें, बुनियादी और आवश्यक बातों को जानें और उन पर अमल करके अपनी दुनिया और आखिरत को बेहतर बनाएँ। इस अवसर पर, पैगंबर मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) के जीवन और चरित्र पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन भी किया गया, जिसका संकलन सोसाइटी की कार्यकारी परिषद के सदस्य श्री खुशतर जलीस अहमद ने किया है। सोसाइटी के अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने इससे पहले ष्इस्लाम का इतिहासष् शीर्षक से कई पुस्तकें लिखी हैं। अल्लाह तआला उन्हें इस सेवा का सवाब दे। आमीन।मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष श्री काजी अहमद रजा ने अंत में सभी उपस्थित लोगों और विशेष रूप से अतिथि वक्ताओं का धन्यवाद किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यदि हम गहराई से देखें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि सीरत–उन–नबी (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) और अस्वातुन्न–मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ही वह स्रोत हैं जिनसे सामाजिक सुख और कल्याण के स्रोत प्रवाहित होते हैं। अंत में, उन्होंने लोगों को ईद मिलादुन्नबी (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) की बधाई दी और कहा कि यदि ईश्वर ने चाहा तो सोसाइटी भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम और धार्मिक प्रकाशन आयोजित करती रहेगी।

कार्यालय, बीमा और पेंशन समेत सात सुविधाओं के लिए पत्रकारों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। यह ज्ञापन मंगलवार को प्रस्तुत किया गया।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन हरदोई के बैनर तले पत्रकारों ने अपनी सात प्रमुख मांगों को रखा। इनमें लखनऊ में कार्यालय भवन का आवंटन शामिल है। साथ ही ग्रामीण पत्रकारों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने की मांग की गई। बीमा और पेंशन सुविधा भी मांगों में शामिल है।

एसोसिएशन ने पत्रकारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से पहले जांच की मांग की है। तहसील स्तर पर बैठकों का आयोजन भी मांगों में शामिल है। दुर्घटना या आपदा में मृत पत्रकार के परिजनों को आर्थिक सहायता की मांग की गई है। फर्जी पत्रकारों पर कार्रवाई की मांग भी ज्ञापन में शामिल है। पत्रकारों ने बताया कि वे कठिन परिस्थितियों में भी ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को शासन–प्रशासन तक पहुंचाते हैं। इस दौरान मंडल अध्यक्ष अखिलेश सिंह , जिला अध्यक्ष देवेंद्र कुमार सिंह उर्फ बबलू सिंह, आईएनए चीफ एडिटर विजयलक्ष्मी सिंह, सवायजपुर के विकास मिश्रा की टीम , सुधांशु सिंह , रजनीश सिंह ,नवल किशोर, संडीला से मुकेश सिंह, ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन पिहानी से पत्रकार सागर पांडेय, बबलू प्रजापति, फूल सिंह ,सुनील राठौर,सुधीर राठौर, नीरज अवस्थी , हरियावा से अमित अवस्थी की टीम ,बिलग्राम तहसील से नन्दकिशोर गुप्ता, मायप्रकाश अग्निहोत्री,अखिलेश गुप्ता, मनीष तिवारी, रामनरेश आर्य ,राहुल गुप्ता, जितेंद्र कुमार संजय मौर्या, रामकिशोर शर्मा, मो इस्लाम, नूरुद्दीन, शमसुद्दीन, सैयद अनवार हुसैन,मो अशद मौजूद रहे। रमाकांत मिश्रा पंकज गुप्ता ,अनुज गुप्ता रबी सिंह अनुरंत सिंह राहुल धनपाल सिंह, तहसील अध्यक्ष मुकेश सिंह सोमवंशी, तहसील महामंत्री अजीत प्रताप,तहसील कोषाध्यक्ष प्रियदर्शी गुप्ता,सूचित, तिवारी,सी पी मौर्या, तहसील सदर अध्यक्ष सुशांत सिंह,महामंत्री तहसील गंगा शंकर दीक्षित सहित उनकी पूरी टीम, शाहाबाद तहसील की टीम से दिनेश प्रसाद मिश्र, कमलेश त्रिवेदी एवं सुनील द्विवेदी सहित सभी ब्लाकों से पत्रकार साथी मौजूद रहे।

ब्लॉक संसाधन केन्द्र मया मे अभिभावक परामर्श का कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अयोध्या जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अवनीश कुमार पाण्डेय के निर्देश पर मंगलवार को ब्लाक संसाधन केंद्र– मया में दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों का अभिभावक परामर्श का कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने किया।इस मौके पर ब्लाक संसाधन केंद्र मया,के स्पेशल एजुकेटर राजेश कुमार ने अभिभावकों को दिव्यांग बच्चों से संबंधित विभिन्न योजनाओं के बारे मे विस्तृत रूप से जानकारी दिया गया।जिसमें मुख्य रूप से स्टाइपेंड अलाउंस, एस्कार्ट अलाउंस,लार्ज प्रिंट बुक, कैलीपर्स, ट्राइसाइकिल ,व्हील चेयर, कॉकलियर इंप्लांट सर्जरी के बारे मे अवगत कराया गया।कार्यक्रम में स्पेशल एजुकेटर जगजीत शर्मा ने मेडिकल असेसमेंट कैंप, उपकरण मापन कैंप जैसी सुविधाओं के बारे में अवगत कराया गया।वही स्पेशल एजुकेटर अखिलेश्वर प्रताप सिंह द्वारा विभिन्न के दिव्यांगता के कारण पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम के अंत में खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी अभिभावकों से नियमित रूप से बच्चों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया।सभी को जनपद से मिलने वाली सुविधा के बारे में अवगत कराया गया।

संक्षिप्त खबरें

स्व. शांति सिंह जी की चौथी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वाजिदपुर स्थित सिद्धार्थ उपवन में सोमवार की शाम स्व. शांति सिंह जी (पत्नी– पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुरेन्द्र प्रताप सिंह) की चतुर्थ पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम

में जिले और प्रदेश की कई जानी–मानी हस्तियों ने पहुंचकर श्रद्धा–सुमन अर्पित किया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि स्व. शांति सिंह जी का जीवन सामाजिक मूल्यों, परिवार के प्रति समर्पण और सहज व्यक्तित्व का उदाहरण रहा है। वे सदैव लोगों की सेवा और सहयोग के लिए तत्पर रहीं। उनके आदर्श समाज को प्रेरणा देते रहेंगे। श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव, पूर्व सांसद धनंजय सिंह, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, भाजपा जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह मछली शहर जिलाध्यक्ष डॉ अजय सिंह , एमएलसी विनीत सिंह, पूर्व सांसद बीपी सरोज, पूर्व विधायक सुषमा पटेल, कुंवर वीरेंद्र प्रताप सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि व गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभा में उपस्थित लोगों ने पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके उपरांत श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में सुरेन्द्र प्रताप सिंह (पूर्व ब्लॉक प्रमुखध्रबंधक), प्रो. राजेश सिंह (पूर्व प्राचार्य, राष्ट्रीय पीजी कॉलेज) तथा विधायक बृजेश सिंह 'प्रिंसू' ने अतिथियों का स्वागत किया और सभी के प्रति आभार जताया।

बच्चा चोर को तालिबानी सजा युवक को खंभे में बांध कर पीटा,तीन गिरफ्तार भेज गए जेल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बरसठी थाना क्षेत्र के गहलाई गांव में एक युवक को बच्चा चोर समझ कर पिटाई करने के मामले में सोमवार को वीडियो वायरल होने पर रामपुर पुलिस सक्रीय हुई। जब पुलिस ने वीडियो की पड़ताल किया तो घटना बरसठी थाना क्षेत्र में होना पाया गया। इसके बाद पुलिस ने पिटाई करने वाले के परिजनों में दो लोगों को पूछताछ के लिए पकड़ कर बरसठी पुलिस को सौंप दिया है। सोमवार को एक युवक को बिजली के पोल में बांधकर रामपुर थाना क्षेत्र के तेलियानी गांव में पिटाई करने के मामले में वीडियो वायरल होने पर रामपुर थानाध्यक्ष देवानंद रजक एवं जमालापुर चौकी प्रभारी सुरेश कुमार सिंह वीडियो की सच्चाई जानने के लिए तेलियानी गांव पहुंचे जहां पर पता चला कि पिटाई करने वाला व्यक्ति और जगह गहलाई गांव का है, यह दरवाजा जावेद पठान का है। इसके बाद पुलिस जावेद पठान के घर पहुंची तो पिटाई करना वाला युवक घर पर नहीं मिला। परिजनों ने बताया कि पिटा जाने वाला युवक बच्चा चोर था रात में बच्चा चुरा कर भाग रहा था जिसे 112 नंबर बरसठी पुलिस को बुलाकर सौंप दिया गया है। जब पुलिस ने पूछा कि खंबे में बांधकर क्यों पिटाई किया जा रहा था तो परिजन जवाब नहीं दे पाए। इस मामले में मंगलवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी गिरेन्द्र सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को स्वतः संज्ञान में लेकर वीडियो में दिखने वाले तीन लोगों जावेद खान आसिफ खान फरहदा खान को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया है।अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है ।

सेवारत शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता समाप्त हो : अरविंद शुक्ला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,16 सितंबर ।उत्तर प्रदेशीय शिक्षक संघ की जिला इकाई के तत्वावधान में मंगलवार को परिषदीय शिक्षकों की नगर स्थित अंबेडकर तिराहे पर बड़ी संख्या में एकत्रित हुए। संघ के जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ला के नेतृत्व में शिक्षकों ने 29 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के सेवारत रहने व पदोन्नति हेतु टीईटी की अनिवार्यता पर क्षोभ व्यक्त किया। शिक्षकों ने इस सुप्रीम आदेश को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए उक्त अवधि में नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग की। शिक्षकों ने अंबेडकर तिराहे से सुप्रीम कार्ट के आदेश के विरुद्ध जोरदार नारेबाजी करते हुए जुलूस की शक्ल में कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे।जहां सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह को ज्ञापन सौंपा। श्री शुक्ला ने आश्वस्त किया कि इस संबंध में संगठन हर स्तर पर निर्णायक संघर्ष को पूरी तरह से तैयार है। शिक्षक नेताओं ने कहा कि इस आदेश के विरोध में प्रदेश ही नहीं पूरे देश का शिक्षक समाज एकजुट है। सरकार को शिक्षकों की इस पीड़ा व चिंता को संज्ञान में लेते हुए शीघ्र ही आवश्यक उपाय करना चाहिए। शिक्षक नेताओं ने कहा कि नियुक्ति के डेढ़– दो दशक बाद इस तरह का आदेश थोपा जाना नितांत अनुचित है। इस अवधि में जब शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी तो वे उस समय निर्धारित योग्यता धारण किए थे ऐसे में अब इस तरह का आदेश न केवल अनर्गल है बल्कि शिक्षकों को मानसिक पीडा देने वाला है।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को सौंपा सात सूत्रीय ज्ञापन

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश ने ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं और उनके कल्याण से जुड़ी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित एक सात सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ग्रामीण पत्रकार सुदूर अंचलों में जनता की समस्याओं को शासन–प्रशासन तक पहुंचाने और सरकार की विकास योजनाओं को जन–जन तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कठिन परिस्थितियों में भी ये पत्रकार लोकतंत्र की सशक्त धारा को बनाए रखने में योगदान दे रहे हैं। एसोसिएशन ने मांग की है कि ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं पर शासन स्तर से गंभीरता से विचार कर आवश्यक निर्णय लिए जाएं। एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष आर.एल. पाण्डेय ने बताया कि ज्ञापन में सात प्रमुख मांगें शामिल हैं। पहली मांग में लखनऊ में दारुलशफा या ओसीआर में एसोसिएशन के लिए कार्यालय भवन आवंटन की मांग की गई है, ताकि सुदूर जनपदों से आने वाले पत्रकारों को ठहरने और प्रदेश स्तरीय बैठकों की सुविधा मिल सके। दूसरी मांग में ग्रामीण पत्रकारों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने की बात कही गई है, ताकि वे और उनके परिवार मुफ्त कैशलेस इलाज

करा सकें। इस योजना में केवल जिला सूचना कार्यालय की सूची में शामिल अखबारों के संवाददाताओं को लाभ देने की मांग है। तीसरी मांग में ग्रामीण पत्रकारों को शासन स्तर पर बीमा योजना से जोड़ने और 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग पत्रकारों को पेंशन योजना का लाभ देने की बात कही गई है। चौथी मांग में पत्रकारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने से पहले जिला पुलिस के राजपत्रित अधिकारी द्वारा जांच को अनिवार्य करने की मांग की गई है, ताकि उनका अनावश्यक उत्पीड़न रोका जा सके। पांचवीं मांग में तहसील स्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ग्रामीण पत्रकारों की नियमित बैठकें कराने और इसमें तहसील अध्यक्षों को शामिल करने का आग्रह किया गया है। छठी मांग में प्राकृतिक आपदा या दुर्घटना में मृत ग्रामीण पत्रकार के परिजनों को किसान बीमा योजना की ।

पानी में भी मिलावट दांव पर लोगों की जिंदगी

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोरखपुर शहर में नमक की री–पैकिंग का खेल लंबे समय से चल रहा है। कानपुर से थोक में पिसा हुआ सस्ता नमक यहां लाया जाता है और यहां उसे नामी–गिरामी ब्रांड के पैकेट में पैक कर बाजार में खपा दिया जाता है। नमक में नमी रोकने के लिए एंटी केकिंग एजेंट के तौर पर पोटेशियम फेरोसायनाइड मिलाया जाता है। इससे नमक फ्री फ्लो हो जाता है। 12–15 रुपये प्रति पैकेट के मुनाफे के चक्कर में धंधेबाज लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय से ऐसा नमक खाने से लिवर खराब हो सकता है। गोरखपुर के नौसड़, ट्रांसपोर्टनगर और लालडिग्गी इलाके के कुछ घरों में चोरी–छिपे चल रहा है। बाजार के जानकारों के मुताबिक, थोक में सस्ता नमक लाने के बाद उसे ब्रांडेड पैकेट में भरा जाता है। इस खेल में प्रति पैकेट करीब 12 से 15 रुपये तक का मुनाफा होने के कारण इसमें शामिल लोग जोखिम उठाने से भी पीछे नहीं हटते। दिल्ली

से लाए गए रैपर में स्थानीय स्तर पर बनाई गई नकली पैकिंग इतनी सटीक होती है कि पहली नजर में ग्राहक को असली और नकली में फर्क करना मुश्किल हो जाता है। खासतौर पर ग्रामीण इलाकों और छोटे दुकानदारों तक ये नकली पैकेट बड़ी आसानी से पहुंच जाते हैं। उपभोक्ताओं को न केवल ठगी का शिकार होना पड़ता है, बल्कि स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ने का खतरा बना रहता है। क्योंकि बिना किसी जांच–पड़ताल और गुणवत्ता मानक के यह नमक पैक किया जाता है। त्योहार और शादियों के सीजन में इस नकली पैकेट वाले नमक की मांग और भी बढ़ जाती है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने बीते जनवरी में नौसड़ में संचालित एक नमक की फैक्टरी पर छापा मारकर कुछ सैंपल भी लिए थे। नमक स्वाद नहीं सेहत के लिए जरूरी है।

संक्षिप्त खबरें

निरीक्षक से सीओ बने अनिल राय को एसएसपी व एसपी ग्रामीण ने कंधे पर स्टार लगाकर दी बधाई

अयोध्या। थाना नगर कोतवाली में तैनात निरीक्षक अनिल राय की पदोन्नति सीओ पद पर हो गई है।सोमवार को एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने संयुक्त रूप से निरीक्षक से नवागत सीओ बने अनिल राय के कंधे पर स्टार लगाकर उनको बधाई दिया।बताते चले कि निरीक्षक अनिल राय बहुत मिलन सार सामाजिक व्यक्ति है।जिन्हें समाज व पुलिस विभाग में गुरुजी के नाम से जाना जाता है।निरीक्षक अनिल राय के इंस्पेक्टर बनने पर पुलिस विभाग के कर्मचारियों अधिकारियों ने बधाई दी है।

महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने पैदल गस्त कर शहर वासियो को कराया सुरक्षा का एहसास

अयोध्या।एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर के निर्देश पर एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी के पर्यवेक्षण व सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह के नेतृत्व मे शुक्रवार को महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने उप निरीक्षक संजीव मिश्रा व महिला थाना मे तैनात पुलिस कर्मियों के साथ पैदल गस्त व वाहन चेकिंग अभियान चलाया।टीम मे शामिल पुलिस कर्मियों ने शहर वासियो को सुरक्षा के प्रति एहसास कराया।मंगलवार को शहर के कई मार्गो तथा पंडालों पर जाकर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला व उनकी टीम ने पैदल गस्त किया तथा कई मुहल्ले मे जाकर निरीक्षण किया।वहीं इसी कड़ी में उन्होंने वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया जहां पर कुछ वाहन चालक बिना कागजात के पाए गए।खासकर उन वाहन चालकों को उन्होंने समझाया कि 1 सितंबर से हेलमेट लगाकर ही वाहन चलाएं नहीं तो बिना हेलमेट के पेट्रोल डीजल नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि आप पुलिस के डर से हेलमेट न लगाकर अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट लगाए क्योंकि पुलिस सिर्फ आपसे जुर्माना वसूल सकती है।लेकिन अगर आपके साथ कोई अनहोनी होती है तो आपके साथ–साथ आपका परिवार भी संकट में पड़ेगा इसलिए आप पुलिस के डर न बल्कि अपनी सुरक्षा को लेकर हेलमेट लगाए।इस दौरान उप निरीक्षक संजीव मिश्रा, उप निरीक्षक सोनी, उप निरीक्षक चेतना,प्रिया सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रही।

चकबन्दी कार्यों की नियमित मासिक समीक्षा बैठक मे डीएम ने अधिकारियो व कर्मियों को दिये निर्देश

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।डीएम निखिल टीकाराम फुंडे धजिला उप संचालक चकबन्दी की अध्यक्षता मे प्रचलित चकबन्दी कार्यो की नियमित मासिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में कुल 18 ग्रामों में चकबन्दी क्रिया प्रचलित है जिसमें 12 ग्रामों में प्रथम चक्र की चकबन्दी तथा 6 ग्रोमों में द्वितीय चक्र की चकबन्दी प्रचलित है।तहसील सदर में 2 ग्राम, बीकापुर में 2 ग्राम, मिल्कीपुर में 5 ग्राम तथा रुदौली के 9 ग्रामों में चकबन्दी प्रक्रिया चल रही है।बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी ने बताया कि वर्तमान में 3 ग्रामों में सहायक चकबन्दी अधिकारी द्वारा चक निर्माण, 3 ग्रामों में चकबन्दी अधिकारी न्यायालय द्वारा वादों का निस्तारण, 1 ग्राम ऐहार तहसील रुदौली में तस्दीक खतौनी का कार्य प्रगति पर है।5 ग्रामों में वादों के निस्तारण के उपरांत आगामी अभिलेख आकार पत्र–11 (पुनरीक्षित खतौनी) सम्बंधित लेखपाल द्वारा तैयार की जा रही है।2 ग्राम के सण्डरी व मेहदीना के अंतिम अभिलेख तैयार किये जा रहे हैं।

बैंड प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कॉलेज व राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अयोध्या प्रथम स्थान पर काबिज

अयोध्या।मंगलवार को राजकीय इंटर कॉलेज में जनपद स्तरीय बैंड प्रतियोगिता संपन्न हुई।इस प्रतियोगिता मे बालक वर्ग में राजकीय इण्टर कॉलेज अयोध्या प्रथम तथा बालिका वर्ग में राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज अयोध्या प्रथम स्थान लाकर कालेज का नाम रोशन किया।इस मौके पर कार्यक्रम के संयोजक प्रधानाचार्य ओंकार नाथ, उप प्रधानाचार्य राम निहोर तथा नोडल के रूप में अनन्त मौजूद रहे।इसके अलावा निर्णायक मण्डल में आभा मिश्रा,वरुण निपाठी,मेवालाल तथा सहयोगी के रूप में प्रीति महरोत्रा,नौमिराम आदि रहे।

पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच का शिवसेना ने किया विरोध, फूंका पुतला

पीलीभीत, (संवाददाता)। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार शाम को खेले जाने वाले क्रिकेट मैच का शिवसेना पदाधिकारियों ने कड़ा विरोध जताया। शहर के गैस चौराहा पर शिवसेना जिला अध्यक्ष शैली शर्मा के नेतृत्व में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान का पुतला फूंककर विरोध दर्ज कराया। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि जब देश पहलगाम आतंकी हमले की पीड़ा से उबर भी नहीं पाया है, ऐसे समय में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना बलिदानियों का अपमान है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को याद करते हुए शिवसेना नेताओं ने कहा कि पाकिस्तानी आतंकियों ने देश की माताओं–बहनों का सिंदूर उजाड़ा और जवानों की जान ली। इसके बावजूद बीसीसीआई ने पाकिस्तान के साथ मैच खेलने की अनुमति देकर शहीदों का अपमान किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अपील की कि बीसीसीआई पर रोक लगाई जाए और मैच रद्द कराया जाए। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष प्यारे लाल प्रजापति, आर के शर्मा, सोनू सिंह, ऋषभ सिंह समेत कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सात दिवसीय श्रीराम कथा का हवन–पूजन व भंडारे के साथ समापन

पीलीभीत, (संवाददाता)। गांव आसपुर जमुनिया स्थित ठाकुर द्वारा मंदिर में चल रही सात दिवसीय श्रीराम कथा का रविवार को हवन–पूजन एवं पूर्णाहुति के साथ विधिवत समापन हो गया। समापन अवसर पर हुए भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। महंत बाबा राघवदास के सान्निध्य में यह धार्मिक आयोजन 8 सितंबर से प्रारंभ हुआ था।

राम मंदिर ट्रस्ट के नव नियुक्त ट्रस्टी कृष्ण मोहन ने किया रामलला व हनुमानगढ़ी पर जाकर दर्शन पूजन

अयोध्या।राम मंदिर ट्रस्ट के नव नियुक्त ट्रस्टी कृष्ण मोहन अयोध्या धाम पहुंचकर रामलला और हनुमानगढ़ी पर जाकर दर्शन पूजन किया।प्रभु श्री राम का दर्शन करते समय राम मंदिर ट्रस्ट के नवागत सदस्य कृष्ण मोहन भाव खो गए और उन्होंने कहा कि आखिरकार 500 से अधिक वर्षों के बाद तथा कठिन परिश्रम के बाद आज प्रभु श्री राम भव्य व दिव्या अलौकिक मंदिर में विराजमान है। बताया कि उन्होंने कल यानी कि रविवार को ही रामनगरी आकर हनुमान जी व रामलला का दर्शन पूजन कर उनसे आशीर्वाद लिया था। उसे मौके पर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने राम दरबार में मेरा नियुक्ति पत्र मुझे सौंपा। वे राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के साथ राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा में परिवार के साथ यजमान के रूप में था।

रामलला का दर्शन पूजन कर वापस जा रहे श्रद्धालुओं को क्या पता कि जौनपुर मे होगा बड़ा हादसा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।रामनगरी आकर प्रभु श्री राम व अन्य मंदिरों पर दर्शन पूजन का वाराणसी की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं को क्या पता था कि जौनपुर में यह भयंकर हादसा हो जाएगा।बताते चले कि जौनपुर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सीहीपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास वाराणसी–लखनऊ हाइवे पर हुए हादसे को याद कर घायल और अन्य श्रद्धालु सिहर जा रहे हैं।वह बस यही कह रहे कि अयोध्या में दर्शन करने के बाद सभी 50 श्रद्धालु सामूहिक भोजन किए।इसके बाद अपनी–अपनी सीट पर बैठे और थकान के कारण गहरी नींद में चले गए।रात करीब ढाई बजे अचानक धमाका जैसी आवाज और झटका लगने पर उनकी नींद खुल गई।इसके बाद उन्हें कुछ समझ में नहीं आया। किसी के ऊपर सामान गिरा था तो कोई खिड़की में फंस गया था।घायल वीपेन मंडल, वीरेंद्र मंडल ने बताया कि वे 50 लोगों समूह सात सितंबर को छत्तीसगढ़ से निकले।10 दिन के इस धार्मिक भ्रमण के लिए प्रति व्यक्ति 8–8 हजार रुपये का पैकेज था। साथ में खाना और खाना बनाने वाले भी थे।सभी श्रद्धालु पहले अमर कंटक, मैहर देवी, चित्रकूट, वृंदावन रविवार अयोध्या पहुंचे थे। जहां रामलला का दर्शन किया और अन्य मंदिरों में भी पूजा–अर्चना की।इसके बाद वे सभी ऑटो से अयोध्या घूमे और मोबाइल में तस्वीर भी कैद की।रात खाना खाने के बाद हम सभी बस में बैठ गए।वह सोमवार को सुबह तक वाराणसी पहुंचते।जहां श्रीकाशी विश्वनाथ का दर्शन करने के बाद संकट मोचन और गंगा आरती देखते।इसके बाद वाराणसी से ही छत्तीसगढ के लिए वापस हो जाते लेकिन होने को कुछ और ही मंजूर था।दिनभर थकान के कारण नींद आ गई जो हादसे के बाद खुली तो देखा हर ओर चीख–पुकार मची हुई थी।एक साइड की बस पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी।दूसरे साइड के श्रद्धालु उनकी तरफ सामान सहित गिर रहे थे।कोई केबिन में ही दब गया था तो कोई खिड़की में फंसा हुआ था।हालांकि केबिन में पूरी तरह पिचक गया था।ड्राइवर की केबिन में दबकर मौत हो गई थी।बस बाईं ओर से ट्रेलर से बुरी तरह टकराई।एक

पुलिस पहुंची और सभी को अस्पताल ले गई।लेकिन, वहां चिकित्सकों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया।घायल सुरेश साहू व दिलीप दास ने बताया कि नींद खुली तो पता चला की उनकी बस किसी गाड़ी से टकरा गई।पीछे बैठने के कारण चोटें आईं। बस से उतरा तो देखा कि सहयोगी चालक दीपक साथी बस की खिड़की से आधा बाहर लटक रहा था।लोगों ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी।पुलिस मौके पर पहुंची।सभी घायलों को अस्पताल ले गई।वहीं, हादसे में गुलाबो (27) की भी मौत हो गई है। घायलों के मुताबिक वह खाना बनाने में भी सभी की सहयोग करती थी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।